

किसानों की आय बढ़ाने और पेट्रोलियम आयात घटाने की तैयारी

नितिन गडकरी का नया ईंधन प्लान, शत-प्रतिशत इथेनॉल से चलने वाले वाहनों पर जोर

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्र सरकार ई20 पेट्रोल के बाद अब ऐसे वाहनों को बढ़ावा देने की दिशा में काम कर रही है, जो शत-प्रतिशत इथेनॉल से चल सकें। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि इथेनॉल आधारित ईंधन से किसानों की आय बढ़ाने के साथ देश की आयातित पेट्रोलियम पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। उन्होंने वैकल्पिक ईंधन और स्वच्छ सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

मध्य प्रदेश में नई सार्वजनिक बस सेवा के शुभारंभ के दौरान गडकरी ने कहा कि ऐसे लचीले ईंधन वाले इंजन विकसित किए जा रहे हैं, जो पूरी तरह इथेनॉल पर चल सकेंगे। उन्होंने बताया कि इथेनॉल उत्पादन बढ़ने से किसानों को पहले ही आर्थिक लाभ मिला है। उनके अनुसार, इथेनॉल उत्पादन बढ़ने के बाद मक्के के दाम करीब 1,200 रुपये से बढ़कर 2,600 रुपये प्रति बिन्टल तक पहुंच गए हैं। उन्होंने किसानों को अन्नदाता के साथ



ऊर्जादाता भी बताया। गडकरी ने कहा कि भारत वर्तमान में लगभग 22 लाख करोड़ रुपये का पेट्रोलियम आयात करता है। इथेनॉल, बिजली, हाइड्रोजन और अन्य वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों के इस्तेमाल से इस आयात पर निर्भरता घटाई जा सकती है।

खास-खबरें

घड़ी डिजर्ट का नया कैपेन लॉन्च

नईदुनिया ब्यूरो, सागर: आरएसपीएल ग्रुप ने घड़ी डिजर्ट का नया कैपेन ‘विश्वास की परीक्षा’ लॉन्च किया। बॉलीवुड अभिनेत्री माधुरी दीक्षित इसकी ब्रांड एंबेसडर हैं। नए फॉर्मूले में 2इंच फोम टेक्नोलॉजी, बारीक पाउडर और जल्दी घुलने वाले फॉर्मूले पर जोर दिया गया है। कैपेन के जरिए बेहतर सफेदी और सफाई का संदेश दिया गया है। कंपनी ने पुरानी टैगलाइन ‘पहले इस्तेमाल करें, फिर विश्वास करें’ को भी बरकरार रखा है। नई पैकेजिंग देशभर में उपलब्ध होगी।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला ओमारा वेंचर्स का आईपीओ

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: डायमंड और जेम्स ज्वेलरी की रिटेल बिक्री क्षेत्र से जुड़ी कंपनी ओमारा वेंचर्स इंडिया लिमिटेड का 41.99 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 5 अक्टूबर तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 6 अक्टूबर को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 7 अक्टूबर को अलॉटिड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 8 अक्टूबर को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। लॉन्चिंग के बाद पहले दिन के अंत तक ये आईपीओ 53 प्रतिशत सब्सक्राइब हो चुका था।

इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 296 रुपये से लेकर 311 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 400 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इन्वेस्टर्स को दो लॉट यानी 800 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 2,48,800 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फंस वैल्यू वाले कुल 13,50,000 नए शेयर जारी हो रहे हैं। इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्वाआईबी) के लिए 18.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए 37.99 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए भी 37.99 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है।

टाटा समूह में नेतृत्व विवाद के बीच श्रीनिवासन ने चैरिटी कमिश्नर से जांच की मांग की

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: टाटा संस में बोर्डरूम का विवाद अब महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर तक पहुंच गया है। टाटा संस के नामित निदेशक एवं ट्रस्टी वेनु श्रीनिवासन ने ट्रस्ट के कामकाज की नियामक जांच की मांग की है। सूत्रों ने बुधवार को बताया कि टाटा समूह में छिड़े नेतृत्व विवाद के बीच टाटा संस के नामित निदेशक एवं ट्रस्टी वेनु श्रीनिवासन ने सर दाराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) के संचालन और प्रशासन को लेकर महाराष्ट्र के चैरिटी कमिश्नर से नियामकीय जांच की मांग की है।

श्रीनिवासन ने चैरिटी कमिश्नर को लिखे पत्र में एसडीटीटी के स्थायी ट्रस्टी के रूप में नोएल एन. टाटा की नियुक्ति एवं मौजूदा स्थिति, नोएल टाटा के बेटे नेविल एन. टाटा की नियुक्ति और टाटा संस के निदेशक के रूप में अपनी स्वतंत्र भूमिका को सीमित करने के प्रयासों पर सवाल उठाए हैं। श्रीनिवासन की शिकावत ऐसे समय आई है जब टाटा संस के नेतृत्व, कंपनी की शेयर बाजार में संभावित सूचीबद्धता और टाटा ट्रस्ट के अधिकारों को लेकर विवाद गहरा गया है। सर दाराबजी टाटा ट्रस्ट समेत टाटा के न्यासों के पास टाटा संस की कीमत 66 फीसदी हिस्सेदारी है।

गोयल ने अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश के लिए किया आमंत्रित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने विस्कोन्सिन के मिल्वौकी में जी-20 व्यापार बैठक से इतर अमेरिकी विनिर्माताओं को भारत में निवेश और उन्नत विनिर्माण में सहयोग के लिए आमंत्रित किया । गोयल ने ‘एक्स’ पर जारी पोस्ट में लिखा कि ‘एनएएम’की बैठक में उन्होंने भारत और अमेरिका आर्थिक संबंधों में मजबूत गति के साथ भारत के बढ़ते औद्योगिक आधार और कुशल कार्यबल को रेखांकित किया। उन्होंने देशभाम विस्कोन्सिन के मिल्वौकी में जी-20 व्यापार मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर ‘एनएएम के द्वारा आयोजित कारोबारी गोलमेज बैठक को संबोधित किया।

खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन सेवन सीज हॉस्पिटैलटी का लाइसेंस निलंबित

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण ने सेवन सीज हॉस्पिटैलिटी प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ कार्रवाई करते हुए कंपनी का खाद्य लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा नियमों के गंभीर उल्लंघन मिलने के बाद यह कदम उठाया गया। प्राधिकरण के अनुसार, जांच में भोजन तैयार करने वाले स्थानों पर स्वच्छता की कमी, गंदगी, जलजमाव और दुर्गंध जैसी समस्याएं सामने आईं। निरीक्षण के दौरान कई खाद्य सामग्री खराब स्थिति में मिली। टमाटर, पपीता, गुड़ और काजू पर फंफूंद पाई गईं, जबकि शिमला मिर्च सड़ी हुई मिली। इसके अलावा खाना बनाने में इस्तेमाल किया जा रहा तेल भी खराब अवस्था में पाया गया। जांच में खाद्य सामग्री के भंडारण में भी लापरवाही सामने आई। मांसाहारी और शाकाहारी खाद्य पदार्थों को अलग-अलग रखने के नियमों का पालन नहीं किया गया। ठंडे भंडारण कक्ष में भी उचित व्यवस्था नहीं मिली। अधिकारियों ने बताया कि रेफ्रिजरेटर में खराबी, अत्यधिक बर्फ जमना, दीवारों की खराब स्थिति, हवा और रोशनी की कमी तथा कीड़े-मकोड़ों की मौजूदगी जैसी समस्याएं भी पाई गईं। प्राधिकरण ने बताया कि मौके पर करीब 74 किलोग्राम खराब खाद्य सामग्री को नष्ट कराया गया।

भारत का स्मार्टफोन निर्यात बना शीर्ष निर्यात क्षेत्र



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली:भारत से स्मार्टफोन निर्यात में इस वित्त वर्ष के शुरुआती पांच महीनों में तेज बढ़ोतरी दर्ज की गई है। अप्रैल से अगस्त के दौरान देश से 15.96 अरब डॉलर मूल्य के स्मार्टफोन का निर्यात हुआ। इसमें अकेले आईफोन का योगदान 13.2 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में करीब 47 प्रतिशत अधिक है। यह आंकड़ा पिछले पूरे वित्त वर्ष में भारत से हुए आईफोन निर्यात से भी अधिक है।

इस अवधि में देश के कुल इलेक्ट्रॉनिक सामान के निर्यात में स्मार्टफोन की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है। अप्रैल से अगस्त के बीच इलेक्ट्रॉनिक सामान का कुल निर्यात 34 प्रतिशत बढ़कर 26.66 अरब डॉलर पहुंच गया। स्मार्टफोन निर्यात में आईफोन की हिस्सेदारी करीब 82 प्रतिशत रही। अन्य कंपनियों के स्मार्टफोन ने भी निर्यात में योगदान दिया। जानकारों के अनुसार, भारत में मोबाइल फोन निर्माण को बढ़ावा देने के लिए लागू की गई सरकारी उत्पादन

प्रोत्साहन योजना से निर्यात में तेजी आई है। पांच महीने की अवधि में स्मार्टफोन निर्यात का मूल्य वाहन ईंधन के निर्यात से करीब 21 प्रतिशत अधिक रहा। वाहन ईंधन का निर्यात करीब 13.2 अरब डॉलर रहा।

एपल ने भारत में आईफोन का निर्माण वर्ष 2017 में शुरू किया था। वर्ष 2021 में उत्पादन प्रोत्साहन योजना के तहत कंपनी ने देश में निर्माण गतिविधियों का विस्तार किया। वर्तमान में कंपनी के आपूर्तिकर्ताओं की पांच बड़ी उत्पादन इकाइयां भारत में हैं। इनमें दो इकाइयां फॉक्सकॉन और तीन टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स द्वारा संचालित की जाती हैं। भारत में अब बिकने वाले अधिकांश आईफोन देश में ही तैयार किए जा रहे हैं। इनके साथ मोबाइल फोन के कई प्रमुख कलपुर्जों का स्थानीय उत्पादन भी बढ़ा है। जानकारों के अनुसार, आईफोन निर्माण से प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी बढ़े हैं। उत्पादन के व्यस्त महीनों में कंपनी के आपूर्तिकर्ताओं की इकाइयों में एक लाख से अधिक लोग कार्यरत रहते हैं।

स्पेशल खबर एल्युमिनियम कारोबार में बढ़ेगी टक्कर, अडानी-अंबानी की एंट्री का वेदांता ने किया स्वागत

एल्युमिनियम क्षेत्र में बढ़ेगी प्रतिस्पर्धा:अनिल अग्रवाल

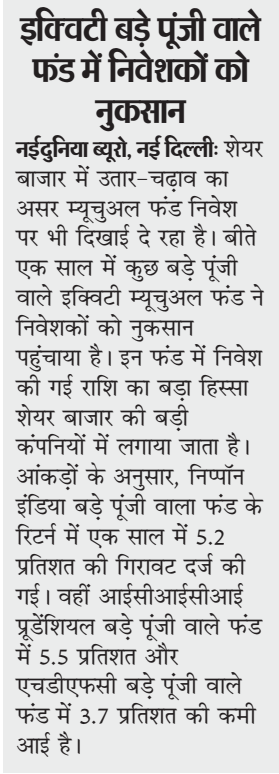
नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने एल्युमिनियम उद्योग में बड़े कारोबारी समूहों के प्रवेश को लेकर कहा है कि इससे क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और कंपनियों को अपनी कार्यक्षमता सुधारने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने एल्युमिनियम क्षेत्र में रिलायंस इंडस्ट्रीज और अडानी समूह की संभावित भागीदारी का स्वागत करते हुए कहा कि नए खिलाड़ियों के आने से उद्योग को मजबूती मिलेगी।

अनिल अग्रवाल के अनुसार, प्रतिस्पर्धा बढ़ने से कंपनियां उत्पादन क्षमता बढ़ाने, लागत कम करने और बेहतर तकनीक अपनाने पर ध्यान

एल्युमिनियम उत्पादन क्षेत्र में फिलहाल वेदांता, हिंडालको और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नाल्को प्रमुख भूमिका निभा रही हैं। वेदांता और हिंडालको मिलकर देश की लगभग 90 प्रतिशत उत्पादन क्षमता पर नियंत्रण रखते हैं। अडानी समूह ने ओडिशा में एक बड़े एल्युमिनियम परियोजना की योजना बनाई है। इस परियोजना में एल्युमिना शोधन संयंत्र, एल्युमिनियम उत्पादन इकाई और इससे जुड़े निर्माण क्षेत्र को विकसित करने की योजना शामिल है। वहीं, रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी ओडिशा के एक बॉक्साइट खनन क्षेत्र में रुचि दिखाई है, जिससे उसके एल्युमिनियम



देेंगे। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भविष्य में उद्योग में विलय और अकिग्रहण की संभावनाएं भी बन सकती हैं। देश के प्राथमिक



इक्विटी बड़े पूंजी वाले फंड में निवेशकों को नुकसान

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव का असर म्यूचुअल फंड निवेश पर भी दिखाई दे रहा है। बीते एक साल में कुछ बड़े पूंजी वाले इक्विटी म्यूचुअल फंड ने निवेशकों को नुकसान पहुंचाया है। इन फंड में निवेश की गई राशि का बड़ा हिस्सा शेयर बाजार की बड़ी कंपनियों में लगाया जाता है। आंकड़ों के अनुसार, निपॉन इंडिया बड़े पूंजी वाला फंड के रिटर्न में एक साल में 5.2 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वहीं आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल बड़े पूंजी वाले फंड में 5.5 प्रतिशत और एचडीएफसी बड़े पूंजी वाले फंड में 3.7 प्रतिशत की कमी आई है।

कारोबार में प्रवेश की संभावनाएं बढ़ी हैं। वेदांता भी अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की योजना पर काम कर रही है। कंपनी अगले कुछ वर्षों में एल्युमिनियम उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर करीब 60 लाख टन करने और लंबी अवधि में इसे एक करोड़ टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखती है। अनिल अग्रवाल ने कहा कि भविष्य में वही कंपनियां बाजार में टिक पाएंगी, जो उत्पादन और लागत प्रबंधन के क्षेत्र में अधिक प्रभावी होंगी। वेदांता समूह आने वाले वर्षों में एल्युमिनियम सहित अन्य क्षेत्रों में बड़े निवेश की योजना पर भी काम कर रहा है।

गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार निवेशकों को 2.03 लाख करोड़ की चपत



नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: सितंबर के अंतिम कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में दिनभर भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। शुरुआती कारोबार में खरीदारी के कारण सेंसेक्स और निफ्टी में तेजी आई, लेकिन दोपहर बाद चौतरफा बिकवाली शुरू होने से दोनों प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 48.78 अंक यानी 0.07 प्रतिशत टूटकर 72,480.29 अंक पर रहा। निफ्टी 95.75 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,620.45 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स शुरुआती स्तर से 621 अंक तक चढ़ा, लेकिन बाद में ऊपरी स्तर से करीब 696 अंक नीचे आ गया। निफ्टी भी दिन के दौरान 144 अंक तक मजबूत हुआ, लेकिन बाद में ऊपरी स्तर से 214 अंक तक गिर गया। बाजार में आई कमजोरी के कारण बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का कुल बाजार मूल्य करीब 2.03 लाख करोड़ रुपये घट गया। यह 473.82 लाख

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम तथा तेल और गैस से जुड़े शेयरों में भी मजबूती रही। मध्यम आकार की कंपनियों का सूचकांक 0.02 प्रतिशत और छोटी कंपनियों का सूचकांक 0.27 प्रतिशत बढ़ा। सेंसेक्स की कंपनियों में 13 शेयर बढ़त और 17 गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी की 50 कंपनियों में 17 शेयर बढ़े, जबकि 32 में गिरावट रही। कोटक महिंद्रा बैंक, इंटरनेट एंज एंजिनीयर्स और आईसीआईसीआई बैंक में बढ़त रही, जबकि अपोलो हॉस्पिटल्स, मैक्स हेल्थकेयर और सिप्ला में गिरावट दर्ज की गई।

नईदुनिया ब्यूरो, मुंबई: महिंद्रा मैनुलाइफ म्यूचुअल फंड ने विशेष निवेश कोष श्रेणी में प्रवेश करते हुए एमएसआईएफ इक्विटी लॉन्ग-शॉर्ट फंड शुरू करने की घोषणा की है। यह एक खुली अवधि वाली इक्विटी निवेश योजना है, जिसका उद्देश्य बाजार में तेजी और गिरावट दोनों परिस्थितियों में निवेश के अवसर तलाशना है। नई योजना का निवेश दुष्टिकोण शोध आधारित रखा गया है। इस योजना का नया कोष प्रस्ताव 30 सितंबर से निवेश के लिए खुल गया है। निवेशक इसमें 14 अक्टूबर 2026 तक निवेश कर सकते हैं। इसके बाद योजना में नियमित रूप से खरीद और पुनखरीद की सुविधा उपलब्ध होगी। योजना के तहत मुख्य रूप से सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों और शेयर से जुड़े साधनों में निवेश किया जाएगा। इसके अलावा चुनिंदा वायदा एवं विकल्प साधनों के माध्यम से गिरावट की स्थिति से लाभ लेने वाली स्थिति भी बनाई जा सकेगी। योजना का उद्देश्य विभिन्न बाजार परिस्थितियों में अवसर तलाशकर दीर्घकाल में पूंजी वृद्धि हासिल करना है। निवेश प्रक्रिया में व्यापक आर्थिक परिस्थितियों के विश्लेषण के साथ कंपनियों के स्तर पर गहन अध्ययन किया जाएगा। ब्याज दर, महंगाई, आर्थिक वृद्धि, बाजार में धन की उपलब्धता, निवेश प्रवाह और वैश्विक घटनाक्रम जैसे कारकों का आकलन किया जाएगा। इसके साथ कंपनियों की वित्तीय स्थिति और कारोबारी संभावनाओं के आधार पर शेयरों का चयन किया जाएगा। जोखिम प्रबंधन के लिए शेयर और क्षेत्र स्तर पर निवेश सीमा, पोर्टफोलियो सुरक्षा उपाय तथा नुकसान को सीमित करने जैसी व्यवस्थाएं भी रखी गई हैं। कंपनी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंथनी हेरोडिया ने कहा कि इस योजना के माध्यम से बचलती बाजार परिस्थितियों के अनुरूप निवेशकों को अलग प्रकार का निवेश विकल्प उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया है।

आज से बदलेंगे कई जरूरी नियम रसोई गैस से लेकर बैंकिंग तक असर

► **आधार सत्यापन अनिवार्य होने की तैयारी**

► **दूसरे बैंकों के एटीएम से मुफ्त निकासी की सीमा घटेगी**

► **कर और पेंशन व्यवस्था में भी बदलाव**

शामिल होंगे। मूल बचत बैंक जमा खातों में चार नकद निकासी प्रतिमाह मुफ्त रहेंगी। इसके बाद प्रत्येक निकासी पर 15 रुपये और वस्तु एवं सेवा कर देना होगा। एक अक्टूबर से निवासी व्यक्ति और हिंदू अविभाजित परिवार की अनिवारसी भारतीय से संपत्ति खरीदने पर अलग कर कटौती खाता संख्या लेने की आवश्यकता नहीं होगी। इसके लिए स्थायी खाता संख्या का उपयोग किया जा सकेगा। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली के लिए सेवा केंद्रों की संशोधित शुल्क व्यवस्था भी लागू होगी। प्रत्येक स्थायी सेवानिवृत्ति खाता संख्या के लिए एक बार 200 रुपये का पंजीकरण शुल्क निर्धारित किया गया है। क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की बड़ी जमा राशि पर लागू ब्याज दरों की जानकारी अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करनी होगी। बैंकिंग दिवस में यह जानकारी सुबह 10 बजे तक उपलब्ध करानी होगी। 15 अक्टूबर से दो हजार रुपये से अधिक के एकीकृत भुगतान वाले लेन-देन पर व्यापारी पक्ष से शुल्क लिया जाएगा। लेकिन ग्राहकों से यह शुल्क नहीं वसूला जाएगा।

बिना शुल्क के क्रेडिट कार्ड दे रहा बैंक, ग्राहकों को मिलेंगे कई फायदे

नईदुनिया ब्यूरो, नई दिल्ली: त्योहारी सीजन को देखते हुए कई बैंक अपने क्रेडिट कार्ड पर नए ऑफर दे रहे हैं। इसी कड़ी में एक्सिस बैंक के कुछ क्रेडिट कार्ड ऐसे हैं, जिन पर ग्राहकों से ज्वाइनिंग शुल्क और वार्षिक शुल्क नहीं लिया जा रहा है। इन कार्ड के माध्यम से ग्राहक खरीदारी के साथ कई अन्य सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। एक्सिस बैंक का नियो क्रेडिट कार्ड पात्र ग्राहकों को बिना किसी ज्वाइनिंग और वार्षिक शुल्क के उपलब्ध कराया जाता है। इस कार्ड के उपयोग पर उपयोगिता बिल भुगतान के लिए 300 रुपये तक का स्वागत लाभ मिल सकता है। इसके अलावा महीने में दो बार

जोमेंटो से ऑर्डर करने पर 120 रुपये तक की छूट और ब्रिंकिट व बुकमायशी पर 10 प्रतिशत तक की छूट का लाभ दिया जाता है। बैंक का रिवॉर्ड क्रेडिट कार्ड भी बिना ज्वाइनिंग और वार्षिक शुल्क के उपलब्ध है। इस कार्ड से खरीदारी करने पर ग्राहकों को पुस्करांक अंक मिलते हैं। कपड़ों और डिपार्टमेंटल स्टोर पर खर्च करने पर निर्धारित राशि के अनुसार अतिरिक्त अंक दिए जाते हैं। पर्याप्त अंक जमा होने पर ग्राहक बैंक के नियमों के अनुसार लाभ प्राप्त कर सकते हैं। ग्राहक इन कार्ड के लिए बैंक की आधिकारिक वेबसाइट या ऑनलाइन माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।